हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 11 जनवरी 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अवैध उत्खनन के 32, परिवहन के 181 तथा भण्डारण के 27 प्रकरण दर्ज किए गए

मण्डला। शासन के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा मण्डला जिला अन्तर्गत पाए जाने वाले खनिजों में मुख्यतः डोलोमाईट, पत्थर (गिट्टी), रेत तथा मुरूम है। इन खदानों के वाणिज्यिक दोहन हेतु शासन के नियम, निर्देश प्रचलित है, जिससे आम नागरिक, कंपनी, फर्म द्वारा खदानों की स्वीकृति कराया जाकर नियमानुसार राज्यांश का भुगतान किया जाता है। खनि रियायतों, खदानों से प्राप्त राजस्व से ही जिले का खनिज राजस्व होता है। वर्ष 2023 में माह जनवरी से दिसम्बर तक की शीर्ष 0853 में 12 करोड़ तथा शीर्ष 0035 में 0.36 करोड़ खनिज राजस्व के रूप में प्राप्त किया गया है। इसके अतिरिक्त डी०एम०एफ० मद में 2.86 करोड़ की प्राप्ति हुई है। कलेक्टर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में विभाग द्वारा सतत रूप से खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण के संबंध में कार्यवाहियां संपादित की गई है। वर्ष 2023 में माह जनवरी से दिसम्बर तक विभाग द्वारा अवैध उत्खनन के 32 प्रकरण, अवैध परिवहन के 181 प्रकरण तथा अवैध भण्डारण के 27 प्रकरण दर्ज किए गए है जिनसे निराकृत प्रकरणों में 91.07 लाख रू. अर्थदण्ड के रूप में वसूल किया गया है। जिले में अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन, अवैध भण्डारण पर सतत रूप से निगरानी कर प्रावधानों के अनुसार कार्यवाहियां की जा रही है। जिसमें राजस्व, पुलिस तथा वन विभाग से समन्वय स्थापित कर सहयोग प्राप्त किया जाता है।

बुलडोजर चलाकर बेशकीमती शासकीय जमीन को कराया मुक्त

अंजनिया में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

*** झोपड़ी और मकान बनाकर कर लिया था कब्जा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/अंजनिया

जिले भर में अतिक्रमणकारियों के हौंसले बुलंद है, इन्हें रोकने, टोकने वाला कोई नहीं है। कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति कर संबंधित अधिकारी अपना पल्ला झाड़ लेते है। जिससे अतिक्रमणकारी कहीं भी कब्जा जमाकर भवन, दुकान और घर बना रहे है। बता दे कि जनपद पंचायत बिछिया के अंतर्गत अंजनिया ग्राम पंचायत में भी अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद थे कि शासकीय जमीन में ही कब्जा कर लिया गया था। जिसकी खबर तक स्थानीय प्रशासन को नहीं लग सकी। जानकारी लगने के बाद कार्रवाई की बात कहीं गई। जिसके बाद शासकीय भूमि में किये गए अतिक्रमण को मुक्त कराया गया।

जानकारी अनुसार विगत विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का फायदा उठाकर बिछिया विकासखंड के ई ग्राम पंचायत अंजनिया के पंचवन वार्ड के पीछे की शासकीय जमीन पर एक दर्जन से अधिक लोगों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर झोपड़ी और मकान बनाकर कब्जा कर लिया गया था। जिसमें नामजद कार्यवाही करते हुए बुधवार को अंजनिया न्यायालय उप तहसील राजस्व विभाग, स्थानीय ग्राम पंचायत अमला और पुलिस विभाग के संयुक्त सहयोगग से शासकीय जमीन पर किए गए अबैध कब्ज पर बुलडोजर चलाकर जमीन को मुक्त कराया गया।

बताया गया कि विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता का जमकर फायदा उठाकर यहां अक्टूबर माह में लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया था। इस अवैध अतिक्रमण मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में होने वाली ग्राम सभा में इस शासकीय भूमि में हुए अतिक्रमण के मामले को रखा। ग्राम सभा में जिन लोगों द्वारा अवैध रूप से शासकीय जमीन में कब्जा कर रखा था, उनके विरूद्ध नामजद आवेदन को राजस्व विभाग को सौंपा गया। जिसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर मुहर लग सकी। मुहर लगने के बाद बुधवार को अतिक्रमण हटाने के विभागीय आदेश जारी हो गए और अतिक्रमण में बुलडोजर चला दिया गया। बता दे कि अंजनिया के खसरा क्रमांक 1131/1 शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

प्र शा स नि क अमला रहा मौजूद

शासकीय भूमि में किये गए अतिक्रमण को हटाने के लिए स्थानीय प्रशासन का अमला मौके पर मौजूद रहा। जमीन को अतिक्रमण मुक्त की कार्रवाई के दौरान कोई अप्रिय घटना घटित ना हो इसके लिए चौकी अंजनिया पुलिस, बम्हनी थाना पुलिस के साथ महिला पुलिस बल, राजस्व विभाग से पटवारी, कोटवार, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासनिक पंचायत अमला के अलावा एएसआई, एसआई, टीआई मौके पर मौजूद रहे।

अतिक्रमणकारियों को हुए थे नोटिस जारी

बताया गया कि अतिक्रमणधारियों को शासकीय जमीन से कब्जा हटाने के लिए राजस्व विभाग ने एक माह का समय देकर नामजद लोगों को सात दिन और उसके बाद तीन दिन का नोटिस दिया था। जिसमें उन्हें स्वयं कब्जा हटाने को कहां गया था, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने नोटिस का कुछ भी जवाब नहीं दिया। जिसके बाद कार्यवाही के दो दिन पहले राजस्व विभाग ने ग्राम पर मुनादी करवाई और बुधवार को कार्रवाई करने की बात कही। प्रशासनिक अमला ने अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही करने के लिए मौका स्थल पर पूरे प्रशासनिक अमले के साथ पहुंच गया और अतिक्रमणकारियों के घर का सामान बाहर अलग करके अतिक्रमण क्षेत्र में बुलडोजर चला दिया।

कार्यवाही से अतिक्रमणकारियों में रोष

शासकीय भूमि में अतिक्रमण कर मकान, झोपड़ी बना लिये गए थे। जिन लोगों द्वारा शासकीय भूमि में कब्जा किया गया था, उनके अवैध कब्जा पर प्रशासनिक अमले द्वारा बुलडोजर चला दिया। जिसका अतिक्रमणकारियों द्वारा जमकर विरोध भी किया गया। अतिक्रमणकारियों का कहना था कि हम लोगों के मकान और झोपड़ी पर बुलडोजर चला दिया गया, लेकिन अंजनिया में ऐसे कई अतिक्रमणधारी है, जिन्होंने अवैध रूप से घर बनाकर कब्जा कर रखा है। इनका कहना था कि इन लोगों पर भी कार्रवाई की मांग की गई। अब देखना है कि स्थानीय प्रशासन अंजनिया क्षेत्र में हुए अवैध कब्जों पर कब कार्रवाई करता है।

स्थानीय प्रशासनिक अमला लोगो को रहने के लिए दिया सामुदायिक भवन और कॉलोनियां?

बताया गया कि अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान यहां रह रहे लोगों ने जमकर विरोध किया। वहीं एक अतिक्रमणकारी परिवार ऐसा भी था, जिसमें उसका पूरा परिवार शासकीय जमीन में अवैध कब्जाकर मकान बनाकर रह रहा था। जिसमें उसके माता, पिता बेटा, बहू, छोटा बच्चा शामिल है। इन्होंने इस कार्रवाई का खूब विरोध किया। लेकिन मौके पर मौजूद प्रशासनिक अमला ने अतिक्रमणकारियों को अन्य अवैध अतिक्रमण कब्जा पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अवैध कब्जा मुक्त करने के बाद स्थानीय प्रशासन ने फिलहाल इन लोगों को कुछ मौहलत देकर सामुदायिक भवन और कुछ लोगों को कालोनियों दी है। जिससे ये आगामी व्यवस्था कर सके।

शेर प्रजाति के जीव के शिकारियों को पकड़ा गया

निवास। गुप्त सूत्रों से पश्चिम वन सामान्य मंडल निवास के अंतर्गत एक शेर प्रजाति के जीव के मारे जाने की जानकारी मिली है, उक्त वन्य जीव के शारीरिक अवशेषों के साथ कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किये जाने की सूचना भी मिल रही है, वन विभाग के जिला स्तर के आलाधिकारियों को मुखबिर के माध्यम से मिली जानकारी पर उक्त कार्यवाही की गई है। ज्ञात हो कि पश्चिम वन क्षेत्र निवास रेंज में यह पहला मामला सुनने को मिल रहा है कि शेर प्रजाति का वन्य प्राणी कथित आरोपियों के हत्थे चढ़ गया और इन्होंने इसकी जान ले ली हो यह विभाग के लिये गंभीर जांच का विषय है। आरोपियों के पास से शेर प्रजाति के वन्य प्राणी के शरीर के कुछ हिस्से मिले हैं जो लगभग तीन से चार दिन पूर्व के हो सकते हैं, जिनसे अब बदबू भी आने लगी है बताया जा रहा है कि उक्त प्राणी की कथित हत्या मामले के बाद मिले अवशेषों की बरामदगी और उक्त संगीन घटना में एक शिक्षक की भी विशेष भूमिका बताई जा रही है। विभाग के अधिकारियों से जब इस घटना की जानकारी मांगी गई तो किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने कुछ भी बताने से मना किया हालांकि कुछ विभाग के ही सूत्रों द्वारा जानकारी दी गई कि मामला सही है और वे मौके पर ही मौजूद हैं लेकिन अधिकारिक रूप से कुछ भी जानकारी देने को मना किया गया है कार्यवाही पूर्ण होने के बाद इससे सभी को अवगत कराया जायेगा। चूंकि क्षेत्र के लिये इस तरह का यह पहला मामला है लिहाजा अधिकारी भी फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं और पुख्ता जानकारी एवं जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नमो ऐप के माध्यम से बने विकसित भारत के ब्रांड एम्बेसडर-भीष्म द्विवेदी

*** राष्ट्र हित में युवा वर्ग अपना योगदान प्रदान करें।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

देश के लोकप्रिय नेता भारत के जन नायक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आप सभी से नमो ऐप पर विकसित भारत एंबेसडर मॉड्यूल में प्रभावी कार्य करने की 100 दिन की चुनौती को स्वीकार करने का आग्रह किया है। आप विकसित भारत के ब्रांड एम्बेसडर बन सकते है।

विकसित भारत का एंबेसडर बनना, शक्तियों को संयोजित करने, विकास के एजेंडे का प्रसार करने और विकसित भारत के हमारे मिशन को पूरा करने के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करने का एक आदर्श तरीका है।

भाजपा जिला अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी ने जिले के युवा वर्ग से आग्रह किया कि इस ओजस्वी अभियान में अपनी सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग कर ब्रांड एम्बेसडर बने ताकि आपके साथ जिले का गौरव बढ़ेगा, इस अभियान से जुड़ना चाहते है तो सबसे पहले आपको नमो ऐप को डाऊनलोड कर इंस्टाल करना होगा यह पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है। प्रतिभा का उपयोग करके आप इस अभियान के माध्यम से जन मानस की मदद कर सकते है। आप सभी की ताकत से दुनिया को दिखाना है कि लोगों द्वारा संचालित विकास क्या होता है!भाजपा सरकार आम जन की सरकार है। यहाँ सबका साथ सबका विश्वास और सबका प्रयास से कठिन से कठिन लक्ष्य आसानी से हासिल किया जाता है। एक एक व्यक्ति की चिंता करना सबके हितों को ध्यान में रखकर योजना बनाना, उसका सफल क्रियान्वयन करना हमारी सरकार की नीति नियत का जीवांत प्रमाण है। अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक संकल्प के साथ विकसित भारत यात्रा के माध्यम से हम पहुच रहे है। डबल इंजन सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करके गरीब कल्याण का कार्य किया जा रहा है। मोदी की गारंटी यानी पूरी होने की गारंटी। हमें सरकार की योजनाओं का लाभ लेने हेतु लोगो को जागरूक करना है। सरकार की योजनाओ के बारे में आमजन को बताना है। साथ ही सरकार की योजनाओ से लाभान्वित हो चुके हितग्राहियो के साथ सेल्फी लेकर नमो ऐप में अपलोड करना ये कार्य बेहद आसान है सिर्फ जरूरत है दृढ़ इच्छाशक्ति की। इन कार्यो से आप अपना नाम रोशन कर सकते है आपके महत्वपूर्ण कार्यो से पूरे मण्डला का नाम रोशन होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा' के माध्यम से सरकार की योजनाओं को कैंप लगाकर, जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। सभी नागरिकों और युवाओं से अपील है कि #NaMoApp डाउनलोड करें और विकसित भारत का ब्रांड एंबेसडर बनकर सीधे प्रधानमंत्री श्री मोदी से जुड़ें। विकसित भारत संकल्प यात्रा का सबसे बड़ा मकसद है- कोई भी हकदार, सरकारी योजना के लाभ से छूटना नहीं चाहिए।

वंचित लोगों तक पहुंचना भाजपा सरकार अपना दायित्व समझती है। इसलिए मोदी की गारंटी की ये गाड़ी गांव-गांव जा रही है। हममें से हर कोई विकसित भारत बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों में अभिन्न योगदान दे रहा है। विकसित भारत हेतु हम सभी कार्यरत है। विकसित भारत का एंबेसडर बनना, हमारी शक्तियों को संयोजित करने, विकास के एजेंडे का प्रसार करने और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के हमारे मिशन को पूरा करने के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करने का एक आदर्श तरीका है।

महिलाओं ने मनाया रामोत्सव जलाए दीप मनाई संक्रांति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

भगवान राम के आगमन पर यूं तो पूरा भारत देश रम चुका है जहां तरह-तरह के आयोजन किया जा रहे हैं विभिन्न तरह के झांकियां सजाई जा रही हैं विभिन्न तरह के उत्सव मनाया जा रहे हैं अक्षय कलश पूरे देश में घूम रहा है लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है वही मण्डला भी इससे अछूता नहीं है यहां मण्डला में महिलाओं के ग्रुप द्वारा राम उत्सव एवं संक्रांति पर्व मनाया गया जिसमें बड़ी संख्या में विभिन्न समाज की महिलाये एकत्रित हुई सभी ने एक सी वेशभूषा धारण कर रखी थी पूरा माहौल राम मय बनाया दीप प्रज्वलित कर माता तुलसी के फेरे लेकर राम उत्सव पर्व को धूमधाम से मनाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर में मातृशक्तियों द्वारा संक्रांति पर्व के साथ राम उत्सव मनाया गया। पुराणों में उल्लेख है कि मकर संक्राति में सर्वप्रथम भगवान राम ने पतंग उड़ाई थी वह स्वर्गलोक में भगवान इंद्र के पास पहुंच गई। यह पर्व मूलत अपने सारे क्लेश हवा में उड़ा देने को इंगित करता है यह राम उत्सव का आयोजन बिंदिया खारिया एवं दिशा दुबे द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 30 से 35 महिलाओं ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम में तिल वा गुड़ के महत्व को रखते हुए सारे व्यंजन भी संक्रांति पर्व के आधार पर बनाये गए।

जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का नेहरू युवा केंद्र संगठन मण्डला में हुई संपन्न

मण्डला। दिनांक 10 जनवरी 2024 को कार्यालय नेहरू व केंद्र मण्डला में जिला युवा अधिकारी आदित्य सिंह एवं देवेंद्र द्विवेदी (APA) मण्डला के निर्देशानुसार कल नेहरू युवा केंद्र मण्डला कार्यालय में भाषण प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ श्रवण कुमार साहू (केंद्रीय संचार ब्यूरो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय क्षेत्रीय कार्यालय मण्डला) पुहुप सिंह भारत (समाजिक कार्यकर्ता) हेमंत चंद्रोल (समाजिक कार्यकर्ता) के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें निर्णायक मंडल श्रवण कुमार साहू, पुहुप सिंह भारत, हेमंत चंद्रोल की उपस्थिति में प्रथम विजेता दिव्य शंकर उपाध्याय, द्वितीय विजेता एंजेल जैन, तृतीय विजेता यशवीर प्रकाश रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवम ठाकुर NYV मण्डला, मनोज पूसाम NYV मोहगांव, अनुराग राय PTS मण्डला, शुभम सिंह ठाकुर, परस राम रजक, श्री धमेजा, जन गणमान्य नागरिक की उपस्थिति रही।

संवाद | **मुख्यमंत्री ने किया मंडला के हितग्राहियों से वर्चुअली संवाद।**

निरंतर बढ़ रहा भारत का सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक गौरव

*** ग्राम सकवाह पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

प्रत्येक पात्र व्यक्तियों को केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें लाभान्वित करने के उद्देश्य से आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा 10 जनवरी को मण्डला विकासखंड के सकवाह पहुंची जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हितग्राही जागेश्वर कछवाहा एवं श्वेता नंदा से वर्चुअली संवाद करते हुए शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में आए बदलाव के संबंध में जानकारी ली। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू भलावी, कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह, जनपद सदस्य संदीप सिंगौर, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, प्रफुल्ल मिश्रा, विनय मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न योजनाओं के हितग्राही तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

देश को 2047 तक दुनिया में नंबर वन बनाना है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के गरीबों का कल्याण हो रहा है और भारत का सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक गौरव भी निरंतर बढ़ रहा है। आजादी के अमृतकाल में देश के हर नागरिक तक सभी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने और सभी पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देशभर में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से प्रेरित इस संकल्प यात्रा के दौरान ग्राम पंचायतें और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अपने देश को 2047 तक दुनिया में नंबर वन बनाना है।

आयुष्मान कार्ड से मिला पुर्नजीवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद करते हुए जागेश्वर कछवाहा ने बताया कि वह हृदय रोग से पीड़ित था, परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण अच्छे चिकित्सालय में उपचार कराने में असमर्थ था। ऐसी स्थिति में उसके उपचार में आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रूपए प्रदाए किए गए जिससे उसे पुर्नजीवन प्राप्त हुआ। जागेश्वर ने बताया कि किसान सम्मान निधि के तहत प्राप्त राशि से उसने खेती को बेहतर किया है जिससे उत्पादन बढ़ा है। जागेश्वर अब प्राकृतिक खेती करना चाहता है।

बारिश अब समस्या नहीं

संवाद के दौरान हितग्राही श्वेता नंदा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बताया कि पहले उनका मकान कच्चा था, जिससे बारिश के दिनों में बहुत समस्या होती थी। प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत होने के बाद उनका मकान पक्का बन गया है जिससे बारिश के दिनों में भी अब उन्हें कोई समस्या नहीं होती। श्वेता ने बताया कि उसके परिवार में शौचालय भी स्वीकृत किया गया है जिसका निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने से अब उन्हें लकड़ी के लिए परेशान नहीं होना पड़ता, साथ ही समय की बचत भी हो रही है। श्वेता ने पात्रता पर्ची सहित अन्य योजनाओं से मिलने वाले लाभों तथा योजनाओं के माध्यम से जीवन में आए बदलाव के संबंध में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

4 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा में निकले राजस्थान के साधु नागराज महाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/अंजनिया

राजस्थान के जोधपुर से लगभग 4000 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर तमिलनाडु रामेश्वरम में भगवान के ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का संकल्प लेकर पैदल यात्रा पर निकले पंच दशनाम जूना अखाड़े के दिगंबर नागराज पुरी महाराज और उनके अनुनायी यात्रा के 18 वे दिवस मंडला जिले के अंजनियां पहुंचे। नागराज पुरी महाराज के साथ पैदल यात्रा कर रहे केशर सिंह नें बताया कि राजस्थान के जोधपुर के औघड़नाथ महादेव आश्रम से तमिलनाडु के रामेश्वरम तक की पैदल यात्रा 24 दिसंबर 2023 को सुबह 4 रवाना हुई थी।नागराज महाराज ने बताया कि उनकी इस यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करना और विश्व में शांति कायम करना है। वे यात्रा के दौरान मिलने वाले लोगों को धर्म का पालन करते हुए जीवन जीने की सीख दे रहे हैं। यात्रा में राजस्थान के धन्नाराम सैन, कंवर पुरी, आसू पारीक सहित कई श्रद्धालु सेवाएं दे रहे हैं। केशर सिंह ने बताया कि नागराज महाराज प्रतिदिन लगभग 65 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं। यात्रियों के भोजन व्यवस्था के लिए एक पिकअप वाहन भी साथ चल रहा है। आगामी 22 जनवरी तक उड़ीसा के जगन्नाथपुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने का लक्ष्य रखा गया है। यहां के बाद यात्रा रामेश्वरम के लिए प्रस्थान करेगी।

खबर संक्षेप

सड़क सोल्डर में नहीं किया जा रहा सुधार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि सड़को पर बढ़ रहे यातायात के चलते आये दिन दुघर्टनाएं घटित होना आम बात है, और यदि सड़को में गड़बडी हो तो निश्चित तौर से घटनाओं में इजाफा होना आम बात मानी जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय गाडरवारा कौड़िया मार्ग पर देखने मिल रही है, जहां पर वाहनों का आवागमन निरंतर बना रहता है, इस सड़क मार्ग के दोनों तरफ के सोल्डर जमीन से ऊंचे हो गये है एवं सोल्डर के बाजू में बड़े बड़े पत्थर पड़े रहते है साथ ही गड्ढे भी बन गऐ है, सड़क सोल्डर परेशानी का सबब बन गए है। वाहन क्रासिंग के समय इन सोल्डरों के कारण वाहन चालको को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं छोटे वाहन चालक साइड देने के चक्कर में अपने वाहन सड़क से नीचे उतार लेते है जब वह सड़क पर अपने वाहन चढ़ाते है तो सोल्डर और गड्ढो के कारण उन्हे दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है, पौड़ार तिरहा से लेकर गाडरवारा तक सड़क के दोनों ओर बड़ी बेकार स्थिति बनी हुई है जिसके कारण आये दिन सोल्डरो से कोई न कोई दुर्घटना होती है, सड़क निर्माण के साथ सोल्डर के बाजू की सतह सड़क से मिलायी जाती है जिससे की वाहन आसानी से सड़क से नीचे उतर कर पुनः सड़क पर आसानी से पहुंच सके। लेकिन इस मार्ग पर सोल्डरो को बाजू की सतह से नहीं मिलाया गया है जबकि निर्माण एजेंसी की जबाबदारी होती है कि वह सड़क से दोनों ओर सोल्डरों के बाजू में मिट्टी का पुराव कर उसे समतल करे लेकिन संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा इस कार्य पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके चलते इतनी विकराल समस्या यहां पर खड़ी हो गई है, शीघ्र ही इस समस्या का हल किया जाये ताकि वाहन चालको को जो परेशानी हो रही है। उससे निजात मिल सके।

रेलवे गेट बंद रहने के कारण मरीजों को तड़पने के लिये होना पड़ता है मजबूर

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। कहने के लिये तो सालीचौका को नगर पंचायत से बढ़कर नगर परिषद का दर्जा प्राप्त होने के साथ साथ यहां पर पुलिस चौकी के आलवा स्वास्थ्य केन्द्र व हायर सेकेण्डरी स्तर के स्कूल संचालित हो रहे है। वही सालीचौका में सप्ताह में दो दिन लगने वाला बाजार भी संपूर्ण क्षेत्र में प्रसिद्व होने के आलवा यहां पर संचालित हो रही शुगर मिलो सहित राईस मिलों ने अपनी कार्य कुशला के चलते एक अलग ही उपलब्धि हासिल की गई है, जिसके चलते सालीचौका क्षेत्र में प्रतिदिन बाहर से हजारों की संख्या में लोगों का आना जाना लगा रहता है। मगर सालीचौका के विकास की गति में यहां पर लगा हुआ रेलवे गेट बाधक बनने से नही चूक पा रहा है।

शासन की जननी योजना हुई फेल

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। शासन द्वारा जच्चा बच्चा की रक्षा की मंशा को ध्यान में रखते हुए कुछ वर्ष पहले शासकीय अस्पताल मे सुरक्षित प्रसव कराने के लिए ग्रामीण अंचलों की गर्भवती महिलाओं को शासकीय अस्पताल तक निःशुल्क पहुंचाने हेतु जननी एक्सप्रेस योजना लागू की गई है, लेकिन यह योजना अब ग्रामीण क्षेत्र मे दम तोड़ती नजर आ रही है? क्योकि जिला एवं तहसील अस्पताल मे दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से प्रसव कराने पहुंच रही अधिकांश महिलाओं मोटी रकम देकर स्वयं के खर्चे वाहन की व्यवस्था करना पड़ता है। हितग्रहियों की हमेशा यही शिकायत रहती है कि बार बार जननी एक्सप्रेस को फोन लगाने पर या फोन उठाया ही नही जाता या अगर उठाया भी जाता है कि वाहन कही और दूसरी गर्भवती महिला को लाने गया है का बहाना बताया जाता है, इस तरह से मजबूरी मे लोगों को निजी वाहन करके अस्पताल आना पड़ता है। नही हुए सार्थक प्रयास-प्राप्त जानकारी के अनुसार गाडरवारा तहसील स्तर की शासकीय अस्पाताल होने के कारण इस क्षेत्र में तीनो ब्लाक सांईखेड़ा, चावरपाठा व चीचली आते है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यदि कोई व्यक्ति भौरझिर, घघरोला, पटना, सूरना, करहैया से गाडरवारा जाने के लिए इस जननी एक्सप्रेस का लाभ लेना चाहता है तो उसे कह दिया जाता है।

कल विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर मात्र

बधाई संदेश देने के लिये ही किया गया राष्ट्र भाषा को याद

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

हर क्षेत्र में लगातार अंग्रेजी भाषा का बोल बाला होने के चलते हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी को मात्र साल में दो दिन यानि की विश्व हिन्दी दिवस या फिर राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के मौके पर बधाई संदेश देने तक ही सीमित होकर रहते हुये जान पड़ रही है? जिसकी सच्चाई कल बुधवार को विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर देखने मिली जब दिन भर सोसल मीडिया पर विश्व हिन्दी दिवस को लेकर बधाईयों के संदेश तो चलते हुये देखे गये। मगर सरकारी से लेकर निजी कार्यालयों सहित बैंकों में वही अग्रेंजी भाषा का साम्राज्य देखने मिला। क्योंकि विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर निश्चित तौर से जहां तहां शासकीय कार्यालयों में हिन्दी भाषा को याद करते हुये कार्यक्रमों में नाम पर औपचारिकता निभाई गई। क्योंकि बीते हुये बुधवार को विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर लोगों द्वारा जहां हिन्दी भाषा को याद जरूर किया जावेगा। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होने से नही चूक पाया। क्योकि इस अवसर पर शासकीय कार्यालयों व किसी संस्था में हिन्दी दिवस के नाम पर शायद ही राष्ट्र भाषा को याद करते हुये कोई कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे गये हो? यदि हुये तो वह मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूके है। यह बात अलग है कि विश्व हिन्दी दिवस को लेकर सोशल मीडिया पर जरूर एक दूसरे को बधाई देने के लिये हिन्दी दिवस को जरूर याद करते हुये देखा गया। मगर जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि लोग अंग्रेजी का बोलबाला होने के कारण हमारी राष्ट्र भाषा को कुलते चले जा रहे है वह निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है? हर छोटे कार्यालय से लेकर बड़े कार्यालयों में अंग्रेजी की मार के चलते जहां हिन्दी भाषी परेशान होत चले जा रहे है। वही दूसरी ओर लोगों में अपने बच्चों को जिस प्रकार से अंग्रेजी की ओर ढकेला जा रहा है उसका हमारी हिन्दू संस्कृति पर भी काफी हद तक प्रभाव देखने मिल रहा है। यह बात अलग है कि हमारी मात्र भाषा हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा जरूर मिल गया है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा हर कार्य में जिस प्रकार से अंग्रेजी को महत्व दियास जा रहा है उसके चलते सही मायने में देखा जावे तो हिन्दी विलुप्त होते हुए दिखाई दे रही है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक बैकों में स्पष्ट लिखा होता है कि हिन्दी का उपयोग किया जावेगा तो हमे बड़ी प्रसन्नता होगी। मगर यह लिखा हुआ शब्द मात्र वोर्ड की शोभा बढ़ाने तक ही सीमित होकर रहे चुका है? जबकि सच्चाई यह है कि अभी भी बैंक, बिजली विभाग सहित अन्य फाईनेस कंपनियों द्वारा अपने माल को उपभोक्ताओं को बेचने वाली कंपनियों में अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। हालत का रण यह है कि कई नामचीन कंपनियों के लिए काम करने वाले स्टाईलिश युवा फर्राटे दार अंग्रेजी बोलकर पहले तो उपभोक्ताओं को प्रभावित करने की चेष्टा करते है और बाद में मशीन या अन्य फाईनेस करने के लिए अंग्रेजी भाषा में लिखा एग्रीमेन्ट फार्म पेश करा लेते है और उस पर कम पढ़े लिखे लोगों द्वारा बगैर समझे ही हस्ताक्षर या फिर अंगूठा लगवाने से नही चूकते है। जबकि देखा जावे तो उस अंग्रेजी एग्रीमेन्ट में क्या लिखा है वह उपभोक्ता को पता ही नही रहता है? गौरतलब है कि अंग्रेजी न जानने वाले बहुत से उपभोक्ता कंपनियों के अभिकर्ताओं की बातों में आकर इन अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर तो कर देते है मगर बाद में उनके दिमाग में यह शंका उभरने लगती है कि अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर करने के दौरान कही उनसे ऐसी गलती तो नही हो गई है, जिसके कारण बाद में उन्हें पछताने मजबूर होना पड़े और अक्सर ऐसा होता भी है? भारत की समर्थ राष्ट्रभाषा हिन्दी के बोलने, समझने, लिखने वालों की बड़ी तादाद क्षेत्र में होने के बावजूद भी अंग्रेजी भाषा में लिखे अनुबंध पत्रों के गोरख धंधे को लेकर समूचे क्षेत्र में इन दिनों कई तरह की चर्चाएं सुनाई पड़ रही है? आमजनों का कहना है कि कभी-कभी अंग्रेजी भाषा में उपभोक्ताओं के सामने पेश किये जाने वाले एग्रीमेन्ट फार्म भ्रम पैदा करते है और शासकीय विभागों या कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच बनी विश्वास की डोर ढ़ीली पड़ने लगती है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार विभागों, कंपनियों के अनुबंध पत्रों में हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। इस बारे में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए सालीचौका निवासी युवा व समाजसेवी राजीव राय का कहना है कि हमारे देश की सरकारे लगातार राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मान जनक दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है। वही कई बैक भी हिन्दी पखबाड़ा मना रहे है। पर आमतौर पर देखने में आता है कि ऋण लेने के लिए उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित अनुबंध भरवाये जाते है। इस हालत में निश्चित ही अंग्रेजी का ज्ञान न होने से अधिकतर व्यक्ति दुविधा में पड़ जाते है? राष्ट्रियकृत बैंकों की शाखाओं में अंग्रेजी का खेल समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने की जरूरत है। वही बारहाबडा निवासी सदन सोनी का मानना है कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है। यह आम बोल चाल की सहज में समझ में आने वाली भाषा है। लेकिन बिडम्बना की बात है कि अनेक शासकीय विभागों, बैक शाखाओं में अभी तक अंग्रेजी भाषा में लिखित अनुबंध पत्र भरवाये जाते है, ये एग्रीमेन्ट फार्म बिना समझे उपभोक्ताओं का इन पर हस्ताक्षर करने से कई समस्याआएं पैदा हो रही है और एक तरह से राष्ट्रभाषा भी अपमानित हो रही है। वही ग्राम भौरझिर निवासी चौधरी राजकुमार कौरव का कहना है कि वर्तमान में काफी हद तक मा.न्यायालयों, रेल विभाग में हिन्दी का प्रयोग होने लगा है। किन्तु इसके बावजूद बैको सहित अनेक निजी कंपनियों जो लोगों को एग्रीमेन्ट कराकर सामन उपलब्ध कराने के साथ साथ धन भी देती है, वह अपना अंग्रेजी को अपने दामन से लगायी बैठी है, जो अपना अंग्रेजी भाषा के माध्यम से कौन से एग्रीमेन्ट ले लेती है उसका उपभोक्ता को पता नही रहता है और वह उस पर अपनी सहमती का ठप्पा लगा देता है। इसी प्रकार से नगर के नर्मदा कालोनी निवासी रजनीश कौरव का कहना है कि उपभोक्ताओं में ऋण लेने खासा लाभ देने वाली मशीने खरीदने की स्वाभाविक बैचेनी रहती है। इस हड़बड़ी के चलते कई कंपनियाँ अधिकतर उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में लिखें अनुबंध पत्र भरवा लेती है, जिसके चलते बाद में देखने मिलता है कि इन एग्रीमेन्ट फार्मो पर उतावली में दस्तखत कर उपभोक्ताओं को पश्चयाताप की आग में तपना पड़ता है? बेतहर यही होगा कि सभी कंपनियाँ हिन्दी भाषा में अनुबंध पत्र प्रकाशित कर उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने का प्रयास करें तभी हम हमारे देश में हिन्दी को सम्मानित कर पाने में सफल हो सकते है?

ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बिजली बिल नही मिलने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्तओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण

जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिलों का वितरण होना अब बंद हो चुका है और बिजली विभाग द्वारा मोबाईल के माध्यम से बिल भेजे रहे है। इस स्थिति में अनेकों पर ग्रामीण उपभोक्ताओं के मोबाईलों पर बिजली संबंधी सूचना नही आती है और ग्रामीण जन इतने पढे लिखे भी नही होते है जो अंग्रेजी में आने वाले बिल को पढ सके इस हालत में ग्रामीणजन अपना बिल जमा करना भूल जाते है। इस संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिलो की सूचना थमा दी जाती है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों की सूचना वितरण कर दे। मगर इस स्थिति कि चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाती है? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सबाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? क्या विभाग की लापरवाही के चलते उपभोक्ताओं के साथ अन्याय नही हो रहा है?

संत मंगलदास त्यागी के नगर आगमन पर किया गया भव्य स्वागत, अपनों के बीच बैठकर पुरानी यादों को ताजा करते हुये देखा गया संत महाराज को

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

निश्चित तौर से गाडरवारा की भूमि अनेक संतों को जन्म देने वाली रही है जो आज देश दुनिया में अपना आर्शीवाद के माध्यम से इस नगर को रोशन करने से नही चूक रहे है। उन्ही महान संतों में शामिल है ओकारेश्वर के मंगलन आश्रम में भगवान हनुमानजी की तपस्या करने वाले महान संत मंगलदास त्यागी जिनका जन्म गाडरवारा के हनुमान वार्ड में हुआ था और वह भगवान की आराधना में लीन होने के बाद शिवजी के धाम खंडवा जिले के औकारेश्वर पहुंच गये और उनके द्वारा लगातार किये जाने वाले तप से जहां क्षेत्र के लोगों को आर्शीवाद देने के साथ उनकी मनोकामनाओं को पूर्ण कराने में पीछे नही है। इसी का परिणाम है कि गाडरवारा की भूमि पर जन्म लेने वाले महान संत का आर्शीवाद लेने के लिये जहां आये दिन अनेक नेताओं से लेकर समाज सेवी पहुंचते हुये देखे जाते है। इसी प्रकार से बीते हुये दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव द्वारा भी नये वर्ष के पावन अवसर पर स्वामी मंगलदास त्यागी के खंडवा जिले के ओकारेश्वर धाम में स्थत मंगलम आश्रम पहुंचे जहां पर विराजमान भगवान हनुमान जी का पूजन अर्चन करने के बाद मुख्यमंत्री यादव द्वारा महान संत मंगलदास त्यागी से आर्शीवाद लिया गया था। इस तरह नगर की भूमि में जन्म लेने वाली संत मंगलदास त्यागी का जब बीते हुये दिनों नगर में आगमन हुआ तो उनके चाहने वालों द्वारा नगर के संत का भव्य स्वागत किया गया। वही दूसरी ओर संत मंगलदास त्यागी अपने नगर में अपनों के बीच बिताई गई यातों को ताजा करने के लिये जब वह पानी टँकी के पास पहुंचने से नही चूके। इस तरह जब महान संत मंगलदास त्यागी अपने बचपन के चाहनों वाले भक्तों के बीच चाय पान दुकानों पर बैठे हुये देखे गये तो उनके दर्शनों के लिये नगरवासियों का हुजूम उमड़ने से नही चूका। इस दौरान जब संत मुनी के पास नगर के लोग पहुंचे तो वह अपने उसी पुराने अंदाज में अपने लोगों को नाम से पुकारते हुये कहा कि आज भी में अपनों को लिये वही मंगलदास हूं जो पहले था और आप लोगों को स्नेह आज भी मुझे अपनों के बीच आने के लिये विवश करने से नही चूकता है। ज्ञात हो कि गणपति हनुमान आश्रम औकाश्वर धाम में तपस्या करने वाले मंगलदास त्यागी समीपस्थ ग्राम भटेरा में आयोजित दो दिवसीय एक अनुष्ठान में शामिल होने के लिये आये हुये थें। वही संत मंगलदान त्यागी उन संतों में शामिल है जो 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनेगे।

ढोल ढमाकों के साथ विदाई दी गई अयोध्या व छींदधाम के लिये रवाना होने वाली राम भक्तों को विदाई

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

ज्यों ज्यो भगवान राम लला के मंदिर के लोकापर्ण की तिथि नजदीक आजी जा रही है ज्यों ज्यों भगवान के भक्तों में अनोखा जोश देखने मिल रहा है। वही वर्षो के इंतजार के बाद आने वाली शुभ बेला के मौके पर क्षेत्र में अनेक लोगों द्वारा अपनी आखों से भगवान को नव निर्मित मंदिर में विराजमान होने का नजारा देखने के लिये अयोध्या नगरी जाने के लिये उतावले होने से नही चूक रहे है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर से दो युवा अयोध्या नगरी के लिए साइकिल से सबार होकर रवाना हुये। बताया जाता है कि नगर साली चौका नगर रेता मोहल्ला से अंकित बाथरे सुनील यादव भगवान रामजी की जन्म भूमि के लिये सालीचौका से साईकिल पर सबार होकर रवाना हुये है जों लगभग 600 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करके भगवान राम की नगरी अयोध्या नगर पहुंचेंगे जहां पर भगवान राम की पूजा अर्चन करेंगे, राम भक्त इन दोनों युवाओं को नगर के राना गुप्ता ,सूरज राय ,गोलू गुप्ता, भूपेंद्र जी पटैल, लल्ला राजपूत, एकांत पटैल, सन्नी खरे, चीनी वातरे, प्रांजल, नितिन पटरिया, सोनू रजक, महेश वाथरे अन्य मोहल्ला के स्थानीय लोगों ने यात्रा सफल होने की कामना करते हुये ढोल ढमाकों के साथ विदा किया गया। इसी प्रकार से नगर के कुछ युवाओं का जत्था हर साल छींद धाम के पैदल यात्रा करते हुये पहुंचता है। इस राम भक्तों का जत्था बीते हुये दिवस लगागार पांचवे वर्ष जब नगर से रवाना हुआ तो नगर में चारो ओर धर्म की गंगा बहते हुये देखी गई तथा इनकी बिदाई के लिये लोगों की भीड़ उमड़ने से नही चूक पाई। बताया जाता है कि अपनी साथी स्व.जमुना प्रसाद साहू एवं स्व.ऋषभ चौकसे की स्मृति में युवाओं द्वारा यह छिंद यात्रा निकाली गई है जो पैदल चलते हुये छींदधाम पहुंचकर वहां पर विराजमान राम भक्त हनुमानजी की पूजा अर्चन करेगे। छींदधाम पैदल जाने वाले भक्तों का यह जत्था नगर सालीचौका हनुमान मंदिर प्रांगण से शुरू होती हुई पोडार चौराहा के हनुमान मडिया पर पहुंचकर पूजन अर्चन के उपरांत आगे क ओर रवाना हुआ।

पंचायतों के विकास कार्यों के नाम शासन को लग रहा चूना अधिकारियों को मिल रहा प्रभावशाली वरिष्ठों का संरक्षण?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जिस प्रकार से सरकार द्वारा गांवों की सूरत बदलने के लिए पंचायती राज व्यवस्था लागू करके इसकी सफलता के लगातार प्रयास तो किये जा रहे है, मगर पंचायतों का विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित होते हुए दिखाई देने के साथ उनका कार्यकाल समाप्ति की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगा है? जब ग्रामीण अंचलों की की ओर रूख किया जाता हो तो पंचायती राज के विकास कार्यो को पोल अपने आप की खुलते हुए दिखाई देने लगती है? क्योंकि पंचातयों में हुये विकास कार्य उसी सरपंच के कार्यकाल को पूरा नही हो पाने के पहले ही अपने गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए टूटते हुए दिखाई देने से नही चूक रहा है? यदि पंचायतों में शासन द्वारा विकास के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायत जहां धन राशि के आभाव से जूझ रही है तो अनेक पंचायत इस प्रकार की भी देखी जा रहा है जिनमें में प्रभावशाली वरिष्ठ अधिकारियों की कृपा दृष्टि होने के चलते उन पंचायतों को अनाप शनाप राशि आवंटित हो जाती है और पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस राशि से जिस प्रकार का विकास किया जाता है उस विकास कार्य की उम्र सिर्फ पत्थरों में नाम लिखे जाने तक ही बनी हुई दिखाई देते हुए देखी जा रही है? इतना रही नही जिन पंचायतों को मनमानी धनराशि प्राप्त हो जाती है है उनके अधिकांश पंचायत जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के समग्र विकास में रूचि न लेते हुए केवल अपने परिजनों, नजदीकी नाते रिश्तेदारों को उपकृत करने का ही काम किया जिसके चलते पंचायत का विकास कम और पंचायत प्रतिनिधियों का विकास होते हुए ज्यादा दिखाई दे रहा है, इस प्रकार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों द्वारा जिस प्रकार से पूर्व के समय में तालाब सड़के आदि बनवाने कार्य किया गया है उन कार्यो में सिर्फ शासन की राशि बर्बाद होने के नजारे ही दिखाई पड़ रहे है? क्योंकि अनेक पंचायतों द्वारा ऐसी जगहों पर तालाब खुदवाये गये है जहाँ गर्मी तो ठीक बरसात में भी पानी नहीं रूकता क्योंकि यह स्थल ऊँचाई वाले क्षेत्र में हैं, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि राजीव गाँधी जलग्रहण योजना के तहत जल का स्तर ऊँचा उठाने में भी कुछ इसी प्रकार की सच्चाई देखने मिलने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के विकास कार्यो को पास करते हुए पंचायतों को ओके रिर्पोट पेश करना जहां अधिकारियों की कार्य शैली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाते हुए जान पड़ रहा है?

सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे बैगर नम्बर के वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन के नियमों को ताक में रखकर धड़ल्ले से नवयुवक वाहनो को बेखौफ होकर चलाते देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि शहर की सड़को तथा गलियों में लहराते हुए नवयुक दुपहियो वाहन लेकर फर्राटे भर रहे हैं और यातायात नियमों का सरेआम उल्लंघन घर रहे है। वाहनों से नम्बर प्लेंटो को तरह तरह से सजाना वाहन मालिको विशेषकर युवा वाहनचालकों का शौक बन गया है, वही कुछ अपने वाहन में नंबर लिखवाना शान के विरूद्ध समझतें है, ऐसे वाहन अगर कोई दुर्घटना करते है तो उनकी तलाश पुलिस के लिए एक समस्या बन जाती है। संबंधित विभाग द्वारा चौराहों में खड़े होकर की जाने वाली चालानी कार्रवाई के दौरान नम्बर विहीन वाहनोचालको को नम्बर दर्ज कराने की हिदायत देकर चालानी कार्रवाई की जाती है, लेकिन बाद में कभी ये देखने की

जरूरत महसूस नहीं करते कि वाहनों में नम्बर दर्ज है या नहीं? वाहनो की प्लेंटो पर प्रेस, डॉक्टर का चिन्ह बनवाना अब पुराना फैशन हो गया है। शहर में दर्जनों ऐसे वाहन खुलेआम सड़को पर दौड़ते रहते है, यदि इस प्रकार के वाहन कोई दुर्घटना करते हैं या फिर उनका उपयोग किसी अपराध में किया जाता है तो यह पता करना काफी मुश्किल हो जाता है कि वाहन है किसका है? अतः ऐसे वाहनो का भी सड़कों पर बेधड़क दौड़ना कम खतरनाक नहीं है। हमेशा कोई दुर्घटना हो या ऐसी वारदात जिसमें वाहन का प्रयोग किया गया हों, के होने पर पुलिस के पास वाहन का नम्बर ऐसा अहम सुराग रहता है जिसके माध्यम से वह घटना दुर्घटना का शिकार बनने का, बनाने वाले का पता लगा सकती है, पर अगर वाहन मे नम्बर ही नही है तो सिर्फ गाड़ी के मॉडल या रंग के आधार पर कुछ भी पता हो पाना असंभव सा रहता है, जिस प्रकार से क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वाहनों में नम्बर डलवाने के लिए जिला प्रशासन से अपेक्षित पहल आवश्यक है।

खबर संक्षेप

उपयंत्री ने घायल युवक को पहुंचाया अस्पताल

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। बुधवार को पिंडरई बंजर टोला फील्ड से लौट रहे उपयंत्री ने शहपुरा मेंहदवानी मुख्य मार्ग में क्रेशर के पास बीच सड़क पर बाइक से गिरे घायल युवक को कनेरी अस्पताल पहुंचाया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद शहपुरा रैफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत मेंहदवानी में पदस्थ उपयंत्री परमेश वाडीचार फील्ड से कनेरी की ओर लौट रहे थे तभी उन्हें बीच सड़क में घायल युवक दिखाई दिया। उपयंत्री ने मानवता का परिचय दिखाते हुए अपना वाहन रोका और आपातकालीन वाहन एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी तथा जनपद सीईओ को भी इसकी जानकारी दी। तभी विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम कनेरी से वापस लौट रहे सहा यंत्री एच एस परस्ते भी मौके पर पहुंच गए। सभी की मदद से घायल युवक को एम्बुलेंस में लिटाया गया जिसे कनेरी अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार घायल युवक का नाम दिलीप परस्ते है जो ग्राम कनेरी निवासी है। घटना के बाद युवक की बाइक दूर छिटककर गड्ढे में गिर गया था जिसे जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया।

टेनिस बॉल क्रिकेट का हुआ शुभारम्भ

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। ग्रीन पार्क स्टेडियम पडरिया डोंगरी बजाग में मां शारदा युवा क्रिकेट समिति द्वारा टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजित किया गया है। जिसके शुभारम्भ के अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी थाना प्रभारी एस आई अशोक तिवारी पुलिस थाना बजाग के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में 32 टीम भाग ले रही है जिसमे प्रथम विजेता 30000 और दूसरा विजेता 15000 ऐसे अनेकों आकर्षक इनाम रखा गया है। यह टूर्नामेंट पंचायत स्तरीय होगा, जिसका फाइनल मैच 26 जनवरी को खेला जाएगा।

मोगली क्विज प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी को प्रदेश में मिला दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। सोमवार एवं मंलवार को सिवनी पेंच अभ्यारण्य में प्रदेश स्तर पर जूनियर एवं सीनियर विद्यार्थियों की मोंगली क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में पर्यावरण सरंक्षण की भावना विकसित करना एवं जंगली जानवरों के प्रति प्रेम की सहानुभूति जाग्रत करना है। पेंच अभ्यारण्य में प्रदेश के सभी जिलों की बेस्ट टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमे डिंडोरी जिले ने सफलता प्राप्त करते हुए जूनियर एवं सीनियर वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया। डिंडोरी जिले में सीनियर वर्ग का प्रतिनिधित्व शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी के विद्यार्थी सुश्री दुर्गावती अग्रवाल एवं पुंज प्रकाश पन्या कक्षा 12वीं गणित संकाय ने किया। विद्यार्थियों ने मोगली क्विज प्रतियोगिता में प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कलेक्टर विकास मिश्रा और प्राचार्य सुरेश द्विवेदी ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मामला शहपुरा क्षेत्र ग्राम मोहरा कला गांव का

करोड़ों खर्च करने के बाद भी लोगों को नसीब नहीं हो रहा पानी, जल जीवन मिशन योजना की खुली पोल

दिखावे के लिए बनी टंकी

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। प्रदेश में आज भी अनेक ऐसे गांव व कस्बे है. जहाँ पर लोगों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है. कई ग्रामीण इलाको में रहने वाले लोग आज भी ढोढी का पानी पीने के लिए उपयोग करते है, क्योंकि दूरस्थ क्षेत्रों में सरकार की योजनाएं अधिकारियों के लापरवाही के कारण नहीं पहुंच पाती हैं. यदि किसी तरह योजनाएं पहुँच भी जाए तो योजना के लिए मिलने वाली शासकीय राशि का बंदरबाट नीचे से ऊपर तक के अधिकारी कर्मचारी हजम कर जाते है. जिसका नतीजा यह होता है कि विभिन्न योजना से संबंधित कार्य आधे अधूरे में बंद हो जाते है. ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी पानी की होती है. बरसात के मौसम में किसी तरह तो पानी मिल जाता है लेकिन गर्मी के मौसम में आस-पास के कुएं, छोटे नाले सूख जाने के कारण लोगों को लम्बी दूरी तय कर पानी की व्यवस्था अपने परिवार के लिए करनी होती है.

ऐसा ही मामला डिंडोरी जिला की शहपुरा क्षेत्र मोहरा कला गांव का है-

डिंडौरी जिले में पिछले लगभग दो सालो से जल जीवन मिशन योजना (श्रंस श्रममअंद डपेपवद ^बीमउम) के तहत ग्राम मोहरा कला गांव में घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से

कार्य किए जा रहे है, लेकिन इस योजना में भी आपसी मिलीभगत कर घटिया तरीके से निर्माण कार्य कराए जाने की शिकायते मिल रही है. इस योजना के तहत गांव-गांव में टंकी का निर्माण कराया जा रहा है. इसके बाद उन टंकी से पानी के लिए लाईन का विस्तार करते हुए लोगों के घरों तक पानी की सप्लाई की व्यवस्था की जानी है, ताकि लोगों को आसानी से घर बैठे पानी उपलब्ध हो सके।

निर्माण के बाद भी पानी नहीं-

जिले के जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत अनेक ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन योजना के तहत टंकी निर्माण करा लिया गया है. साथ ही गांव में निवासरत लोगों के घर में पानी के लिए टोटी भी लगा दी गई है, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी पानी सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है. जिसके कारण सरकार के इस योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है. लोग पानी की आस लगाए हुए बैठे हैं कि कब टोटी से पानी आएगा और हम लोग घर पर ही पानी ले सकेंगे लेकिन गांव में इसका उल्टा ही देखने को मिल रहा है इस बात से स्वंय अंदाजा लगाया जा सकता है कि जल जीवन मिशन की योजनाएं का लाभ कितनो को मिल पा रहा होगा.

मॉनिटरिंग का अभाव-

जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों में विभागीय अधिकारियों के लापरवाही के कारण सही समय पर निरीक्षण नहीं किया जाता. जिसके कारण इस कार्य को कर रहे नए ठेकेदारों के द्वारा कार्य को सही ढंग से नहीं करने के कारण कई स्थानों पर परेशानी हो रही है. यदि तकनीकी अधिकारियों का मार्गदर्शन सही समय पर उन ठेकेदारों को मिल जाता तो शायद आज कई नलो के टोटियों में से पानी की बूंद निकलने लगती।

जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुई सामान्य सभा की बैठक

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते की अध्यक्षता में आज बुधवार को जिला पंचायत सभागार में सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू व्यौहार, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हीरा परस्ते सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और सामान्य सभा के सदस्य मौजूद थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने सामान्य सभा की बैठक में काष्ठ विदोहन एवं परिवहन की जानकारी ली, उन्होंने उत्पादन वनमंडल की समीक्षा करते हुए बजट आवंटन एवं व्यय की समीक्षा की। विगत पांच वर्षों में राजस्व लक्ष्य एवं प्राप्ति पर तुलनात्मक चर्चा की गई। वर्ष 2023 में जिले में किये गए पौधरोपण के संबंध में चर्चा करते हुए 2023-24 में वृक्षारोपण हेतु चयनित स्थलों की क्षेत्रवार तैयारियों की जानकारी ली। रुद्रेश परस्ते ने वन मंडल डिंडोरी (सामान्य) के अंतर्गत वर्षा ऋतु 2023 में किए गए पौधरोपण, वर्ष 2023-24 में वृक्षारोपण हेतु चयनित स्थलों की जानकारी, भू-क्षरण योजनान्तर्गत बोल्डरचेक डेम निर्माण कार्य, मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना 2023 अंतर्गत वितरित की गई सामग्री जैसे-जूता चप्पल, साड़ी एवं पानी की बॉटल प्रदाय की जाने वाली संख्याओं के बारे में जाना। उन्होंने कृष्णमृग संरक्षित क्षेत्र में स्टापडेम विस्तारीकरण की समीक्षा की। वर्ष 2023-24 में समितियों से चयनित कृषकों के द्वारा रोपित बांस के पौधों, ग्राम सभा को तेन्दुपत्ता संग्रहण व भुगतान की जानकारी ली। उन्होंने अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम 2006 के तहत वर्ष 2023 में जारी किए गए स्वीकृत प्रकरणों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। रुद्रेश परस्ते ने इसके बाद जलजीवन मिशन अंतर्गत जिले में स्वीकृत योजनाओं की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की, विकासखंडवार जलजीवन मिशन अंतर्गत डिंडौरी, सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों की समीक्षा की, उक्त योजनाओ में शामिल किए जाने वाले ग्रामों की संख्या, प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त ग्राम, योजना की स्वीकृत राशि तथा शत प्रतिशत भौतिक रूप से पूर्ण ग्रामों की संख्या, कार्यों की प्रगति, पूर्ण योजनाओं का हस्तांतरण के बारे चर्चा करते हुए योजनांतर्गत अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, मिनी कार्यकर्ता के स्वीकृत, भरे रिक्त पदों की जानकारी, लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में प्राप्त संशोधित लक्ष्य अनुसार नवीन प्रकरणों की जानकारी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त लक्ष्य एवं लक्ष्य पूर्ति की स्थिति, आंगनबाड़ी भवन अद्यतन की जानकारी ली गई। कार्यालय सहायक एक जनजाति कार्य विभाग डिंडोरी के अंतर्गत जिले में पदस्थ शिक्षकों के पदस्थापना की स्थिति, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति), समेकित छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत जिले के छात्रों की मैपिंग प्रोफाइल अपडेशन तथा छात्रवृत्ति की स्वीकृति की जनपदवार विस्तृत समीक्षा की गई। रुद्रेश परस्ते ने इसी प्रकार से निशुल्क साइकिल वितरण, निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, लैपटॉप वितरण, गणवेश वितरण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत वाटरशेड विकास घटक की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों का विवरण कृमशः परियोजना अनुसार समीक्षा की गई। जिसमें कंटूर ट्रेंच, गैवियन संरचना, तालाब अर्दन डेम, अमृत सरोवर, खेत तालाब, चेक डैम वृक्षारोपण कार्य, उत्पादन प्रणाली, आजीविका की गतिविधियां और सीएफ में हस्तांतरित राशि आदि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आज सामान्य सभा की बैठक में ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा संभाग, आजीविका मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम, मनरेगा कार्य, जल अभिषेकम योजना, अमृत सरोवर निर्माण कार्य, सिंचाई विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, शिक्षा विभाग, म.प्र. अजीविका मिशन एवं प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की प्रगति की जानकारी सामान्य सभा में दी गई है।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की आठवी किश्त का अंतरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया

जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023 अंतर्गत आठवी किश्त अंतरण समारोह का आयोजन जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन, कन्या पूजन व मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथियों के स्वागत से की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस ने लाडली बहना योजना के बारे में बताते हुए कहा कि बहुत जगह पर देखा गया है कि इस योजना से बच्चो और महिलाओं के जीवन में बहुत परिवर्तन आया है। इस प्रकार महिलाओ के द्वारा बताया गया कि लाडली बहना योजना की राशि का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ-साथ दैनिक जरूरतों के लिए करती हैं।
लाडली बहनों के खाते में राशि अंतरित करने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण जिले के नगरीय निकायों, जनपद पंचायत मुख्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में किया गया। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम से भी लाभार्थी बहनें वर्चुअली इस समारोह से जुड़ीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सभी लाडली बहनों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री द्वारा "मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना" अंतर्गत प्रदेश की बहनों को 1576 करोड़ रूपए की राशि का अंतरण एवं 56 लाख से अधिक हितग्राहियों को 341 करोड़ पेंशन एवं आर्थिक सहायता राशि का अंतरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया गया। जिले में लाडली बहना योजना अंतर्गत कुल 1 लाख 33 हजार 882 लाडली बहनों के खाते में 16 करोड़ 21 लाख 44 हजार 500 की राशि का अंतरित की गई। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्याम सिंगौर सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाडली बहने उपस्थित थीं।

जिले में मकर संक्रांति और नर्मदा जयंती का पर्व सौहार्द, सद्भाव के साथ शांतिपूर्वक मनाया जाएगाः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि जिले में मकर संक्रांति और नर्मदा जंयती का पर्व सौहार्द, सदभाव और आपसी भाईचारा के साथ शांतिपूर्वक मनाया जायेगा। इस दौरान कानून व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू रहेगी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई जिला शांति समिति की बैठक

उन्होंने मकर संक्राति और नर्मदा जयंती के अवसर पर नर्मदा नदी के घाटों में साफ-सफाई, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल का प्रबंध, चलित शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर विकास मिश्रा बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, पुलिस अधीक्षक अखिल पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, संयुक्त कलेक्टर सुनील शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर आर पी तिवारी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, राजेन्द्र पाठक, अशोक अवधिया, प्रभात जैन, मो. असगर सिद्दिकी, रजनीश राय, रीतेश जैन, श्रीमती नरबदिया मरकाम, श्रीमती सरिका नायक सहित जिला शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

जिले में लगने वाले मेला स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए समुचित प्रबंध किया गया-

कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि जिले में ग्राम कुटरई, कोसमघाट, मालपुर, धरमपुरा घाट, जोगी टिकरिया, डिंडौरी, लक्ष्मण मडवा, रामघाट, डगोना फाल, हल्दी करेली, चंदनघाट, चकरार संगम, सिवनी संगम, कपिलधारा, सोनतीरथ, रामघाट, शिवनार, शिवगढी, मेढाखार और तुलसीघाट मे मेला लगते है। उन्होंने बताया कि आयोजित मेलों में साफ-सफाई सुरक्षा, बिजली का प्रबंध, पेयजल का प्रबंध, चलित शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। जिससे मेलों में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार से परेशानी न हो।

जिला शांति समिति के सदस्यों ने अवैध शराब विक्रय पर रोक लगाने की मांग की-

जिला शांति समिति की बैठक में बताया गया कि डिंडौरी शहर को पवित्र नगरी घोषित कर शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिससे शहर की पवित्रता बनी रहे और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान हो सके। कलेक्टर विकास मिश्रा ने नर्मदा नदी के तट के किनारे शराब पीने व बोतलें फेकने वालों तथा जिले में खुले में अवैध रूप से शराब विक्रय करने वालों को जेल भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में नशा मुक्ति अभियान जारी है। नागरिकों को नशा से दूर रहने की समझाईस दी जा रही है।

मकर संक्रांति और नर्मदा जयंती पर प्रसाद वितरण की व्यवस्था दोना पत्तल में किया जाए-

कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि मकर संक्रांति और नर्मदा जयंती के अवसर पर भंडारे की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने भण्डारों में प्लास्टिक एवं डिस्पोजल के स्थान पर दोना-पत्तल से प्रसाद वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। भण्डारा वितरण स्थल पर डस्टबिन रखा जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति दोना-पत्तल सड़कों में न फेकें। उन्होंने जिले में बढते ठंड को देखते हुए सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थानों पर अलाव जलाने का प्रबंध करने को कहा।

वि.खं.अमरपुर के ग्राम जुनवानी में आयोजित वनवासी रामायण मंचन में हुआ जामवंत प्रसंग

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला प्रशासन डिंडौरी के निर्देशन में म. प्र. जन अभियान परिषद के द्वारा समस्त विकासखंडों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज बुधवार को वि ख अमरपुर ग्राम जूनवानी में जामवंत प्रसंग का मंचन रामलीला का खूबसूरत मंचन किया गया। मंच पर प्रभु श्रीराम जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रामायण मंडली के द्वारा भजन की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात स्कूली छात्रों के द्वारा स्वागत गीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। छात्रों के द्वारा सुंदर अभिनय करते हुए केवट प्रसंग की प्रस्तुत की गई। फिर रामलीला मंडली द्वारा केवट प्रसंग की प्रस्तुति दी जिसमे किस प्रकार प्रभु श्रीराम जी ने जामवंत जी का सहारा सेना बनाई व सबसे वरिष्ठ जामवंत जी का हमेशा मार्गदशन लिया किस प्रकार जामवंत जी ने हनुमान जी को अपनी शक्ति का एहसास कराकर समुद्र लांघने के लिये प्रेरित किया। समाज के प्रति स्नेह दिखाया इससे यह संदेश समाज को दिया कि जात-पात, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा कोई नहीं होता भगवान सबको समान निगाह से देखते है। इसलिए हमें भी सभी के प्रति समान व्यवहार करना चाहिये। दर्शकों को यह संदेश दिया गया कि केवल गाँव में बड़ी बड़ी बिल्डिंग, पक्के रोड़, बड़े डेम, बड़ी बड़ी फेक्टरियों से ही भारत विकसित नहीं होगा, इसके लिए हमारी संस्कृति, सभ्यता,

धर्म और बच्चों में संस्कार का होना विकसित भारत बनने में नींव का पत्थर साबित होगा। साथ ही 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के भव्य आयोजन की जानकारी दी गई। प्रभु श्रीराम की महा आरती के बाद सभी को समरसता खिचड़ी प्रसाद के रूप में वितरित की गई।
सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी अमरलालधुर्वे विख समन्वयक म प्र जन अभियान परिषद, सह प्रभारी सूबेस दुबे शिक्षक, विशेष सहयोग ग्राम पंचायत जुनवानी मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था ,मेंटर्स ,प्रस्फुटन समिति व बउबसकच छात्र, कार्यक्रम का संचालन बद्री प्रसाद चैहान जिला समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार मिश्रा मण्डल अध्यक्ष अमरपुर, धोबी सिंह परस्ते सांसद प्रतिनिधि, रामनाथ उददे सरपंच अमरपुर, आकाश नामदेव पूर्व मण्डल अध्यक्ष, अनिल साहू महामंत्री भाजपा, रामसिंह नेताम सरपंच, शुभांशू चंदेल, रितेश उसराठे, राजेश यादव, रघूवीर सैयाम, सोहन यादव, रामजीवन वर्मा, राजीव वर्मन, धन्य कुमारी वैश्य उपस्थित रहे।

मनरेगा से क्षतिग्रस्त नहरें और पानी स्टोरेज के निर्माण कार्य होंगे

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। बुधवार को कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि 15 जनवरी को पीएम जनमन मिशन डिंडोरी जनपद के गोपालपुर गांव में आयोजित किया जायेगा। पीएम विश्वकर्मा योजना लांच करेंगे, बैगा बाहुल्य ग्रामों में जल जीवन मिशन से शुद्ध पेयजल, जल निगम में 440 गांव शामिल है। कलेक्टर ने बताया कि मनरेगा की राशि से पानी स्टोरेज के निर्माण कार्य, क्षति ग्रस्त नहरों की मरम्मत का काम किया जाएगा ताकि अंतिम किसान के खेत तक पानी पहुंच जाए। जिले के महिला किसानों को हाई लाइट करेंगे ताकि महिला किसानों को नाबार्ड योजना किसान सामग्री में प्रचार प्रसार करेंगे।

सभी आदिवासियों को दिलाएंगे योजनाओं का लाभ-

कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 346 गांव में आदिवासी ग्रामीणों को सभी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। जिला प्रशासन ने सात गांव अमरपुर जनपद में ग्राम चंद्रागढ़, बजाग जनपद में जलदा बोना, करंजिया जनपद में ठाडपथरा, समनापुर जनपद में पोंड़ी, मेंहदवानी जनपद में दुलहरी एवं शहपुरा जनपद में चाटी का चयन किया गया है। इनको माडल के रूप में विकसित किया जायेगा ताकि सभी 346 गांवों में ग्रामीणों को खासकर विधवा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांग पेंशन इत्यादि योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 11 जनवरी 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

नवोदय छात्रों ने किया नवागत कलेक्टर का अभिनंदन

नरसिंहपुर। नवोदय परिवार ने नवागत कलेक्टर श्रीमति शीतला पटले का कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर का पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन करते हुए अपने अपने बचपन के अनुभव शेयर किए। इस अवसर पर कलेक्टर बोलीं इतनी बड़ी संख्या में नवोदय साथियों का स्वागत और मुलाकात के लिए आना मेरे लिए बड़े गौरव की बात है। कलेक्टर ने सभी नवोदय का मनोबल बढ़ाया। स्वागत और मुलाकात हेतु सभी सीनियर -जूनियर एकसाथ उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से लाभांवित हुईं 2 लाख बहनें

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की 1.29 करोड़ महिलाओं को 1576.61 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरण की। इस दौरान जिले की 2 लाख 13 हजार 35 पात्र महिलाओं के खातों में लाड़ली बहना योजना की 25 करोड़ 86 लाख 94 हजार 150 की राशि अंतरित की गई। राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम का जिले में सीधा सजीव प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम नरसिंह मंदिर प्रांगण नरसिंहपुर में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे व उपाध्यक्ष श्री अजीत ठाकुर, अन्य जनप्रतिनिधि, नागरिक और हितग्राही मौजूद थी। कलेक्टर श्रीमती पटले ने लाड़ली बहना योजना की राशि अंतरित होने पर महिला हितग्राहियों को शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से जो पैसा मिल रहा है, उसे महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण होगा। वे घर का सामान खरीदने और अन्य आवश्यकताओं को अपने स्तर से पूरा कर सकेंगी।

साहू समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिवस साहू समाज का 16वां राष्ट्रीय युवक युवति परिचय सम्मेलन डीएम पैलेस करेली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज अध्यक्ष गौ संबर्धन बोर्ड, विशिष्ट अतिथि रविकरन साहू अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा, तेंदूखेडा विधायक विश्वनाथ पटैल मुलाम भैया,गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश के आतिथ्य में परिचय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में पूरे देश से लगभग 10 से 15 हजार साहू समाज के लोगों ने भाग लिया । सम्मेलन को लेकर साहू समाज के सामाजिक बंधुओं में बेहद उत्साह एवं उमंग देखी गयी। कार्यक्रम की शुरूआत संगीमय शोभायात्रा एवं कलश यात्रा से निकाली। मंचासीन अतिथियों द्वारा उडान पत्रिका का विमोचन किया गया। तत्पश्चात उपस्थित युवक युवतियों ने अपना परिचय देते हुये स्वयं सहित परिवार की जानकारी दी। प्रदेश से विभिन्न पदाधिकारियों ने अपना उदबोधन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट जनों सहित कार्यकतार्ओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष मोहनलाल साहू द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया।

11 जनवरी को 11 ग्राम पंचायतों में पहुँचेगी संकल्प यात्रा

नरसिंहपुर। भारत शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को पात्र अंतिम व्यक्ति तक लाभ देने के उद्देश?य से विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले में आयोजित की जा रही है।

कलेक्टर ने सतत रूप से सघन मानीटरिंग किए जाने निर्देश दिए

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मंगलवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ली। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि की जानकारी ली।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर ने बैठक में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की समीक्षा के दौरान समय सीमा में गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीयन कर उनकी जॉच समय पर किए जाने के लिए समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को सघन मानीटरिंग किए जाने निर्देश दिए। कार्यकतार्ओं द्वारा एलएमपी रजिस्टर में नियमित रूप से पूर्ण एण्ट्री दर्ज कर महिलाओं को घर- घर जाकर आशा कार्यकर्ता द्वारा नियमित रूप से कांटेक्ट किया जा रहा है, इसकी सघन मानीटरिंग की जाए। जिले में कार्यरत समस्त आशा कार्यकतार्ओं द्वारा नवीन तकनीक से मोबाईल से पोर्टल एवं एप में एण्ट्री किए जाने के लिए मासिक बैठक में प्रशिक्षण दिया जाए। सभी आशा कार्यकर्ता को स्मार्ट फोन के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाए। यदि आशाकार्यकर्त्ता मोबाईल से एण्ट्री नहीं कर पाती है, तो ऐसी आशा कार्यकर्ता को चिन्हित कर पृथक से प्रशिक्षित दिया जाये। प्रत्येक ब्लॉक में मोबाईल के उपयोग का प्रशिक्षण दिए जाने हेतु प्रशिक्षण हेल्प डेस्क तैयार किए जाने निर्देश दिए। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन एवं प्रबंधन एवं जिले में हो रहे प्रसव की समीक्षा की गई। इस दौरान समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया किया कि जो भी आंकडे रेड एवं यलो में हैं, उस पर स्वयं सतत रूप से सघन मानीटरिंग की जाए। एनसीडी कार्यक्रम अंतर्गत ब्लॉक गोटेगॉव एवं करेली के एनरोलमेंट की उपलब्धि बहुत ही कम पाई गई है। खण्ड चिकित्सा अधिकारी को सतत मानीटरिंग करते हुए शतप्रतिशत सी बैंक फार्म की एण्ट्री कराने और जहां सीएचओ नहीं हैं, वहां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पदस्थ डाटा एण्ट्री आपरेटर के माध्यम से सी बैंक फार्म की शतप्रतिशत एण्ट्री कराएं जाने निर्देशित किया।

पोषण पुर्नवास केन्द्र में भर्ती बच्चों की समीक्षा के दौरान समस्त सीडीपीओ को नियमित रूप से लक्ष्य के अनुरूप बच्चों को भर्ती कराए जाने निर्देशित किया गया। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान पूर्ण टीकाकरण, एमआर 1 एवं एमआर 2 को शतप्रतिशत करने के लिए प्लान तैयार किए जाने एवं सतत रूप से सघन मानीटरिंग किए जाने निर्देश दिए।

आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत जिले में 1 लाख 35 हजार 799 कार्ड के बैकलॉक की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जहॉ आशा कार्यकर्ता कार्ड नहीं बना पा रही हैं, वहॉ एएनएम, सीएचओ एवं उन्य स्वास्थ्य कार्यकतार्ओं की डयूटी निर्धारित कर सघन मानीटरिंग कर एक सप्ताह में शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने निर्देशित किया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. एआर मरावी, समस्त बीएमओ, महिला बाल विकास अधिकारी, सीडीपीओ और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बस संचालकों एवं ट्रक मालिकों के साथ पुलिस अधीक्षक ने की बैठक

संचालकों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश, मांगे सुझाव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षकअमित कुमार द्वारा जिले के समस्त बस संचालकों एवं ट्रक मालिकों की बैठक आयोजित की। बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु सुझाब मांगे। जिले में यातायात व्यवस्था में सुधार एवं सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष उपाय करने के यातायात पुलिस को सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में आरटीओ जितेन्द्र शर्मा, प्रभारी जिविशा करूणा द्विवेदी, थाना प्रभारी यातायात, रत्नाकर हिग्वें, सूबेदार पुष्पराज यादव एवं बड़ी संख्या में बस संचालकों एवं ट्रक मालिकों उपस्थित हुये।

बस संचालकों एवं ट्रक मालिकों को दिये निर्देश

पुलिस अधीक्षक, अमित कुमार बैठक के दौरान बस संचालकों एवं ट्रक मालिकों को निर्देशित किया गया कि सभी बस संचालकों द्वारा अपने-अपने वाहन का फिटनेस, इन्सोरेन्स, परमिट सर्टिफिकेट होना आवश्यक है। सभी बस संचालक द्वारा अपने वाहन में लगाये गये कर्मचारियों का विधिवत लायसेंस, प्रशिक्षित एवं स्वास्थ्य रूप से फिट होना चाहिए। सभी बस संचालक अपने कार्यालय में एक रजिस्टर रखवाये, जिसमें पुलिस का कोई भी अधि/कर्मचारी जब भी बस संचालक के कार्यालयों में आयेगें, उसमें इंट्री कर टीप डालेगें एवं बस संचालक कार्यालय के कर्मचारियों को जो भी व्यक्ति सदिग्ध लगता है उसका नाम, मोबाईल नम्बर, पता, फोटो एवं समय उसी रजिस्टर में अंकित कर पुलिस को सूचित करेगें।बस संचालक द्वारा अपने-अपने वाहन में फर्स्ट-एड बॉक्स एवं अग्निशामक यंत्र, आपातकालीन खिड़की / दरवाजा रखना सुनिश्चित करेगे।

उद्घाटन मैच एमएच जबलपुर एवं नर्मदापुरम के मध्य खेला गया

सहकार कप का शानदार आगाज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

अखिल भारतीय स्तर पर क्रिकेट प्रतियोगिता स्व कौशलेंद्र सिंह रघुवंशी स्मृति अखिल भारतीय टी 20 लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता सहकार कप का हुआ शानदार आगाज। प्रतियोगिता के पूर्व अतिथियों द्वारा स्व कौशलेंद्र रघुवंशी के तेल चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजली अर्पित की गई। तत्पश्चात खिलाडिों से परिचय प्राप्त कर देश भक्ति की भावना के साथ सामूहिक राष्ट्रगान किया गया। प्रतियोगिता शुभारंभ पर प्रारंभिक मैच का टास पूर्व विधायक संजय शर्मा द्वारा उछाला गया। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल ने अपने उद्बोधन में स्व कौशलेंद्र सिंह रघुवंशी को हरफनमौला बताते हुए स्मरण किया। टी 20लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में आज हुए प्रारंभिक मुकाबले में एम एच जबलपुर ने टास जीतकर बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 150रन बनाए। जिसमें एम एच जबलपुर की ओर से सौरभ ने आठ चौके की मदद से शानदार 62रन की पारी खेली। शांतनु ने 23गेंद पर चार चौके एवम तीन छक्के की मदद से 44रन का योगदान दिया। नर्मदापुरम की ओर से प्रियांशु शुक्ला ने चार ओवर में 15रन देकर एम शानदार चार विकेट लिए। जिसमें एम एच जबलपुर के धुरंधर बल्लेबाज शांतनु और सौरभ के दो महर्वपूर्ण विकेट झटके। 151रन के लक्ष्य को नर्मदापुरम ने 18.2ओवर में तीन विकेट खोकर पूरा कर सहकार कप के प्रारंभिक मैच में जीत हासिल की। जिसमें नर्मदापुरम की और से अविनाश तिवारी ने 5चौके, 2छक्के की मदद से 21बाल पर 43रन की नाबाद पारी खेली। मैन ऑफ द मैच नर्मदापुरम के धुआंधार बल्लेबाज अविनाश तिवारी को दिया गया।

हस्तशिल्प में रोजगार व स्वरोजगार विषय पर दिया जा रहा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण अंतर्गत बॉस हस्तशिल्प में रोजगार व स्वरोजगार विषय पर 1 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा के निर्देशन में तथा जिला नोडल अधिकारी अजीत राय व प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। प्रशिक्षक के रूप में वन विभाग द्वारा प्रमाणित मास्टर ट्रेनर संजय कटारे ने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने राज्य व केन्द्र शासन द्वारा बॉस शिल्प को प्रोत्साहित करने हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय बॉस मिशन की जानकारी दी जिसका उद्देश्य बॉस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के साथ बांस व बांस आधारित हस्तशिल्प के विपणन को बढ़ावा देना है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस कौशल में पारंगत हो इसमें रोजगार अथवा स्वरोजगार स्थापित करने की दिशा में विचार करने हेतु प्रेरित किया।

मोबाइल फोन के दुरुपयोग से भटकती युवा पीढ़ी

दिमाग और आंखों पर पढ़ रहा विपरीत प्रभाव

तेंदूखेड़ा

संचार क्रांति का सदुपयोग जहां हमारे लिए बरदान साबित हुआ है वहीं इसके दुरुपयोग से युवा पीढ़ी लगातार भटकती हुई गलत रास्ते पर चली जा रही है और मोबाइल फोन के लगातार प्रयोग से दिमाग और आंखों पर बुरा प्रभाव भी पढ़ रहा है। यदि हमने अपने पाल्यों पर ध्यान नहीं दिया तो परिणाम घातक हो सकतें हैं।विशेषज्ञ डॉक्टर बताते हैं कि घंटों मोबाइल के प्रयोग से आंखें कमजोर होती है। आंखों के ड्राय होने की समस्या बढ़ती है।एक बार में 20 मिनिट से अधिक फोन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मोबाइल फोन की ब्राइटनेस कम वा आंखों से दूरी बनाकर रखना चाहिए।इसकी नीली रोशनी का अंधेरे में ज्यादा असर पड़ता है।देर रात तक उपयोग करने से दिमाग की नसों में दबाब पड़ता है,खून की आपूर्ति कम होने लगती है। आंखों में सूजन, भारी पन,फोकस ना कर पाना,खुजली, जलन, चिड़चिड़ापन,नींद ना आना तथा दिन में आलस आना इसके मुख्य लक्षण हैं।

'गलत दिशा में हो रहा उपयोग'

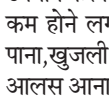

श्रीमती अपर्णा चैबे प्रभारी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय कहतीं हैं कि अक्सर कर देखने में आ रहा है कि बड़े बड़े जानकार युवा पढ़ाई के बहाने आनलाइन कक्षाओं कोचिंग क्लास अटेंड करने या सुविधा की दृष्टि से उपयोग हेतु मोबाइल फोन का सार्थक दिशा में उपयोग ना करके गलत दिशा में उपयोग करते हुए भटकाव भरे रास्ते पर चल पड़े हैं।जो समाज और परिजनों पर घातक सिद्ध हो रहे हैं। विशेष तौर पर महिला वर्ग को इस विषय को लेकर काफी सजग रहने की जरूरत है।इस विषय पर हमने ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

'विकिरणों से बच्चों पर पड़ता है बुरा असर'

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ प्रकाश जैन का कहना है कि हम खेल खेल में छः साल से भी कम उम्र के छोटे छोटे बच्चों को मोबाइल फोन खेलने को दे देते हैं,या फिर बच्चे स्वयं फोन लेकर अंधेरे या बंद कमरों में लाइट बंद करके आंखों के पास से देखा करते हैं इसका काफी बुरा असर इनकी आंखों और मानसिक रूप से दिमाग तथा हृदय पर पड़ता है। अक्सर कर बच्चों में एकाकी पन, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन याददाश्त कमजोर होने के साथ आगे चलकर की कई घातक बीमारियां होने की स्थिति बन जाती है। बच्चे अक्रामक व्यवहार वाले होने लगते हैं, सामाजिक तथा दिमागी विकास भी अवरुद्ध होने लगता है। मोबाइल फोन की विकिरणों से मोटापा और यहां तक की कैंसर जैसी घातक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों को मोबाइल फोन के ज्यादातर उपयोग से दूर रखें। उन्हें संतुलित आहार के साथ हष्ट-पुष्ट बनाये,पठनीय सामग्री एवं पुरानी गीत कहानी खेलों से जोड़कर बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने के प्रयास करें।

'कम बैटरी में मोबाइल का उपयोग ना करें'

क्षेत्र के प्रतिष्ठित वरिष्ठ चिकित्सक एमडी डा, शचींद्र मोदी बताते हैं कि मोबाइल फोन की बैटरी कम होने की स्थिति में इसका उपयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए इससे रेडियेशन बढ़ता है जो ब्रेन ट्यूमर और केंसर जैसी बीमारियों को जन्म दे सकता है।कम उम्र के बच्चों को तो इससे बचना चाहिए। जहां आंखों पर प्रभाव पड़ता है वहीं इससे चिड़चिड़ापन और बच्चे एकाकी होने लगते हैं। वर्तमान में फेसबुक इंस्टाग्राम और इंटरनेट पर जिस तरह से दुरुपयोग किया जा रहा है उससे बच्चे अक्रामक गलत चारित्रिक आदतें दुर्गुण एवं अव्यवहारिक जीवन जीना सीखने लगते हैं। लगातार उपयोग से जहां हमारे आपसी संबंधों व्यवहारिक जीवन से भी दूर होते चले जा रहे हैं। इसमें पालकों की सबसे बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है जो अपने पाल्यों की गतिविधियों पर सही नजरें रखें। समाज में आये दिन जो अप्रिय स्थिति देखने को मिलती हैं वह भी एक कारण है। पढ़ाई के दौरान सार्थक दिशा में उपयोग के लिए ही उपयोग करायें बाकी समय बंद रखें। ज्यादा लंबें समय तक कान से मोबाइल फोन से बात भी नहीं करनी चाहिए।

'बच्चों की हर गतिविधि पर नजर रखने की जरूरत'

अनुविभागीय पुलिस अधिकारी मधुर पटैरिया बताते हैं कि आज के दौर में बच्चों की हर गतिविधि पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। इनकी गलतियों पर पर्दा डालने की बजाय सुधार करने की जरूरत है।अक्सर कर विभिन्न प्रकार के मामले आये दिन सामने आते हैं उनमें कहीं ना कहीं पालकों की जबाबदेही पर प्रश्न चिन्ह लगते हैं।हम आजादी तो दें लेकिन उनकी हर गतिविधि पर नजर रखना भी हमारा नैतिक जिम्मेदारी है। पढ़ाई के दौरान बच्चे खेल खेल में अलग-अलग दिशाओं में भटक जाते हैं। कोई इंटरनेट के माध्यम से फर्जीवाड़े की तरफ तो कोई यौन से संबंधित गतिविधियों तो ठगी जैसे मामलों में लिप्त हो जाते हैं।साइबर सेल में इन सभी अपराधिक गतिविधियों में अलग-अलग धाराओं का प्रावधान भी निर्धारित की गई है।जिस उम्र में बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे होना चाहिए उस उम्र बच्चे उक्त गतिविधियों में लिप्त होकर अपनी और अपने परिवार की इज्जत भी दांव पर लगा बैठते हैं। साइबर सेल में बारह प्रकार के ठगी से संबंधित प्रकरण देखने को मिलते हैं।आज हम इन सभी गतिविधियों को देख भी रहें हैं। माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा इन विंदुओं को लेकर गांव गांव अभियान भी चलाया जा रहा है। कुल मिलाकर हमें सजग रहने की जरूरत और बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।